ने, इस स्तर पर पाठ्य-पुस्तकें निर्धारित करने की प्रथा को हतोत्साहित करने के लिए, देश के विभिन्न शहरों में अनेक बैठकें आयोजित की हैं। इन शहरों के प्रमुख स्कूलों के प्रधानाचार्यों को इन बैठकों में आमन्त्रित किया गया था।

609. [Transfered to 4th March, 1993.]

मध्य प्रदेश में खनिज भण्डार

610. **श्री अजीत जोगी :**
चौधरी हरि सिंह :

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के बस्तर तथा रायपुर जिलों में टिन, ऐस्बेस्टस, ग्रेनाइट और कोरंडम के भारी भंडारों का पता लगाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इन जिलों में उपलब्ध प्रत्येक खनिज का अनुमानित भंडार कितना है ;

(ग) इन खनिजों के खनन हेतु खनन-वार कितने आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं ;

(घ) इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है; और

(ङ) क्या खनन कार्य के लिए यह लीज जनजातीय लोगों या उनकी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर दी जाएगी ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) से (ङ) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

देश में खनिज भण्डार

611. **श्री अजीत जोगी :**
चौधरी हरि सिंह :

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में पेयोरो-फ्लाइट, डायोस्पोर, ग्रेफाइट, लिग्नाइट और मैग्नेटाइट्स के कुल कितने भंडार का पता लगाया गया है;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में इन खनिजों के भंडार का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया है;

(ग) यदि हां, तो उसका क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इन खनिजों का पर्याप्त मात्रा में खनन करने के लिए क्या योजनाएं बनाई गई हैं ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) देश में पाइरो-फ्लाइट, डायोस्पोर, ग्रेफाइट, लिग्नाइट और मेग्नेटाइट के कुल भंडार इस प्रकार हैं :—

पाइरोफिलाइट	–	4.33 मिलियन टन
डायस्पोर	–	आंकलन नहीं किया गया
ग्रेफाइट	–	4.64 मिलियन टन (सभी ग्रेड)
लिग्नाइट	–	5.8 बिलियन टन
मेग्नेटाइट	–	1.7 बिलियन टन (सभी ग्रेड)

(ख) जी हां ।

(ग) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण में झांसी जिले के पालर-बिजरी-धानकुआ-मैलार क्षेत्र में 0.2 मिलियन टन और ललितपुर जिले में टेरी-नगर और पाथा क्षेत्र में 26500 टन डायस्पोर/पाइरोफिलाइट के कुल भंडार का अनुमान लगाया गया है । भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी. एस. आई.) ने अल्मोड़ा जिले के सिरसार और कालीमाटी क्षेत्र में 10.70 मिलियन टन निम्न ग्रेड ग्रेफाइट अयस्क का अनुमान लगाया है। उत्तर प्रदेश से लिग्नाइट और मेग्नेटाइट के स्रोतों की सूचना नहीं है।

मध्य प्रदेश में टीकमगढ़, छतरपुर और शिवपुरी जिलों में 1.28 मिलियन टन पाइरोफिलाइट के भण्डार का अनुमान

लगाया गया है। इन जिलों में डायस्पोर भी पाया जाता है और उसका विदोहन किया जाता है। किन्तु इस खनिज के भंडारों का कोई अनुमान नहीं लगाया गया है। सिधी जिले में 0.144 मिलियन टन और बेतुल जिले 0.85 मिलियन टन ग्रेफाइट भंडारों का अनुमान लगाया गया है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Exploration of copper deposits in Dungarpur, Rajasthan

512. SHRI H. HANUMANTHAPPA: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that nearly one lakh tonnes of copper deposits have been struck in Dungarpur District of Rajasthan; and

(b) if so, what steps have been taken by Government to exploit these minerals?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINES (SHRI BALRAM SINGH YADAV): (a) and (b) The State Government of Rajasthan has reported the existence of about 1 (one) million tonnes of copper ore of probable|possible category with an average grade of about 1 per cent copper near Village Padar-ki-pal about 35 kms. North-West of Dungarpur in Rajasthan. More detailed investigations are required before the decision for commercial exploration of the deposits could be taken.

उत्तर प्रदेश में खनिजों का पता लगाने के लिये सर्वेक्षण

613. **श्री ईश दत्त यादव**: क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश में खनिजों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण कराने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश तथा अन्य राज्यों के लिए कोई योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) जी हां।

(ख) फील्ड सत्र 1992-93 के दौरान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने विशिष्ट थीमैटिक मानचित्रण करके उत्तर प्रदेश के चमोली, सिधी, नैनीताल, पिथौरागढ़, गोरखपुर और सोनभद्र जिलों में स्वर्ण, देहरादून और चमोली जिलों में आधार धातु, उत्तर काशी जिले में सिलिका सैंड के लिए अन्वेषण तथा पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा जिलों में सामान्य खनिज संभावनाओं का आकलन करने के लिए अन्वेषण किया है।

(ग) और (घ) जी हां। 8वीं योजना अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा तयार किया गया खनिज गवेषण कार्यक्रम इस प्रकार है:-

(I) गैर-कोयला खनिज/धातुएं

(1) आधार धातु कार्यक्रम—राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, महाराष्ट्र, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, हरियाणा, तमिलनाडु, केरल में 46 अन्वेषण।

(2) स्वर्ण कार्यक्रम—आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, अरूणाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में 40 अन्वेषण।

(3) टिन-टंगस्टन कार्यक्रम—हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, जम्मू व कश्मीर में 15 अंवेषण।